खुशनुमा जीवन के लिए आध्यात्मिकता को जीवन का अंग बनायें–दादी रतनमोहिनी

प्रदेश की अमन चैन के लिए कटिबद्ध है प्रदेश सरकार–बैरवा

कोटा, 20 दिसम्बर। मल्टी परपज स्कूल ग्राउण्ड में कई दिनों से चली तैयारियों में खुशनुमा जिन्दगी आध्यात्मिक महोत्सव का भव्य समारोह के बीच उदघाटन किया गया। समारोह में उपस्थित हजारों लोगों को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि आज समाज में तेजी से दुख और अशांति बढ़ती जा रही है। यदि खुशनुमा जिन्दगी बनाना है तो इसके लिए आध्यात्मिकता को जीवन का अंग बनाना होगा। वे मल्टी परपज ग्राउण्ड में पूरे राजस्थान सहित मध्य प्रदेश, उड़ीसा तथा छत्तीगढ़ से आये लोगों को उदघाटन समारोह में बोल रही थी।

आगे उन्होंने कहा कि हम एक ईश्वर की संतान है और इसको समझने से समाज से कुरीतियां और भेदभाव दूर हो जाता है। ये समय ईश्वरीय परिवर्तन का है उसके पहले ईश्वर के मार्गदर्शन में स्वयं को बदलने की ईश्वरीय सूचना है आध्यात्मिक महोत्सव। दादीजी ने सभा में उपस्थित लोगों से अपील करते हुए कहा कि दस दिन तक चलने वाले इस महोत्सव में अपने सपरिवार अधिक से अधिक लाभ उठायें तो जीवन में सहज ही सकारात्मक परिवर्तन आयेगा।

राजस्थान सरकार के सूचना प्रसारण एवं जनसम्पर्क मंत्री अशोक बैरवा ने कहा कि समाज में तेजी से फैल रहे अत्याचार, भ्रष्टाचार तथा आतंकवाद समाज के विकास के लिए बाधक है। प्रदेश सरकार प्रदेश में अमन चैन के लिए प्रयासरत है। देश व प्रदेश में खुशहाली के लिए हम सभी को मिलकर बुराईयों को जड़ से समाप्त करने की पहल करनी होगी। मानवीय मूल्यों के कारण भारत देश की छवि आज भी लोकप्रिय है। हमारे देश तथा देश के प्रत्येक लोगों में दूसरों को सकारात्मक परितर्वन की ओर खिंचने की ताकत है। उन्होंने सरकार के एक साल पूरा करने पर उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि समाज में एक वर्ष के अन्दर सुशासन का दौर रहा है। गहलोत सरकार ने किसानों व गरीबों के लिए हमेशा कार्य करती रही है और करती रहेगी।

मीडिया प्रभाग के अध्यक्ष था इंदौर जोन के निदेशक ब्र0 कु0 ओम प्रकाश ने कार्यक्रम के भव्य आयोजन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भूकम्प और सुनामी जैसी घटनाओं का बढ़ता स्तर हम सभी के मानसिक स्तर को दर्शाता है। जब हम नकारात्मक सोचते है तो उसका प्रभाव व्यक्ति व प्रकृति पर भी पड़ता है। इस महोत्सव के जरिये लोगों को पारिवारिक और व्यक्तिगत जीवन श्रेष्ठ बनाने की गम्भीर समस्याओ के समाधान का अवसर मिलेगा। कोटा के विधायक ओम प्रकाश बिड़ला ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से समाज में सदभावना का विकास होता है। इतने बड़े पैमाने पर आयोजित यह कार्यक्रम कोटा के लिए गौरव की बात है।

कोटा की महापौर डा0 रत्ना जैन ने अभिनन्दन पत्र पढ़कर सुनाया तथा दादी को भेंट कर अभिवादन किया। संभागीय आयुक्त पी0 एल0 अग्रवाल, माउण्ट आबू से आये ज्ञानामृत मासिक पत्रिका के सम्पादक ब्र0 कु0 ओम प्रकाश, माउण्ट आबू से आयी डा0 सविता ने अपने उदबोधन में लोगों उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर शहर के कई प्रतिष्ठित समाजसेवी संस्थाओं द्वारा मोमेन्टों भेंट कर दादी जी का स्वागत किया।

कार्यक्रम के मध्य में गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का विधिवत उदघाटन किया गया। नन्हें बालकलाकारों द्वारा स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर भावभीना स्वागत किया गया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान रायपुर से आयी ब्रह्माकुमारी कमला, स्वप्रबन्धन विशेषज्ञ ब्र0 कु0 प्राची ने शुभकामनाये प्रदान की तथा आभार प्रदर्शन कोटा सेवाकेन्द्र प्रभारी ब्र0 कु0 उर्मिला ने किया। कार्यक्रम का संचालन छत्तीसगढ़ की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र0 कु0 सरिता ने किया।

झलकियां– 1. लोगों का आकर्षण का केन्द्र बना रहा गोकुल गॉव तथा स्वर्ग के नजारे, 2. दादीजी ने जैसे कार्यक्रम में प्रवेश किया तो सभा में उपस्थित लोगों ने शिव ध्वज लहराकर उनका भव्य अभिवादन किया। 3: खूबसूरती की मिशाल बनी चैतन्य नौ देवियों का भव्य प्रदर्शन।